भजन

जो तेरे दीवाने हैं,गुण तेरे ही गायेंगे
तेरी वाणी का बल लेकर तेरी राहों पे आयेंगे

1- ये दुख भी नहीं अपना, ये सुख भी नहीं अपना
दुनिया जिसे कहते हैं,है सुन्दर इक सपना
इस ख्वाब को भी तेरी वाणी से सजायेंगे

2- पहचान तेरी मुश्किल, कोई बिरला ही पहचाने
पुलसरात की धारों से बचना भी वहीं जाने
हर स्वांस में ये रूह की आवाज मिलायेंगे

3- तन मन धन की सुध क्या है, ये जीव भी वारेंगे
कुर्बानी की राहों पे अरवाह भी उड़ा देंगे
हादी के ही कदमों पर कदम रख कर दिखायेंगे